



安然

An Ran

第五部 重围

Li X. Dong D. Hui B. Gao L.

18+

Xinze Li
An Ran 5 The siege
– Simplified Chinese

http://www.litres.ru/pages/biblio_book/?art=72629269

SelfPub; 2025

Аннотация

Anran, Part 5 The siege – Simplified Chinese

Part 5 details the climax of the conflict following the widespread corporate and public security crises, focusing on the intense geopolitical and financial fallout orchestrated primarily by Zhao Lei, and the desperate counter-measures undertaken by the core team of the Foreign Trade Chamber . This section highlights the manipulation of public opinion, the corruption of powerful institutions, and the heavy personal cost borne by the protagonists.

This book is written in Simplified Chinese.

Содержание

1.##

5

Конец ознакомительного фрагмента.

42

Xinze Li

An Ran 5 The siege

– Simplified Chinese

#####

Part 5 details the climax of the conflict following the widespread corporate and public security crises, focusing on the intense geopolitical and financial fallout orchestrated primarily by Zhao Lei, and the desperate counter-measures undertaken by the core team of the Foreign Trade Chamber. This section highlights the manipulation of public opinion, the corruption of powerful institutions, and the heavy personal cost borne by the protagonists.

1.##

#####

“#####
#####”#####
#####

##“#####”#####
#####

#####

#####“#####

#####”

#####

#####“#####

#####”

#####

##”

85

#####

#####“#####”

#####“#####” ##

#####

#####“#####” ##

#####

14 #####“#####

##” #####

#####

#####

#####

#####

#####

#####

#####

#####

#####

#####

#####

#####

#####

#####

#####

#####

#####

#####“#####”#####
#####

#####

#####

#####”#####
##

#####”#####

#####”

#####“#####”

#####”

#####”

#####”#####
####

#####

#####

#####

#####

#####“#####”

#####“#####.....##”

#####“#####”

“#####”#####

“#####”#####

“#####”#####

#####

#####

#####

#####“#####”

#####“#####”

#####

#####”

#####“#####”

#####

#####

#####

#####

#####

#####

#

#####

#####

“#####”#####

“#####”#####

#####“#####”#####

#####”

#####

#####“#####”#####

#####”

#####“#####”#####

#####“#####”#####

#####”

#

CEO

#####

#####

#####

#####“#####”#####

#####

#####

#####” #####

#####

#####“#####”#####

#####

#####” #####

#####

“#####” #####

##“#####”#####

#####”
“##” #####
#####

#####

#####

#####

“#####”#####
#####“#####
#####”#####
##“#####

#####”

#####

“#####”#####
#####“#####

#####”

#####“#####.....##
###.....”#####

#####

#####

“#####”#####

“#####”#####

#####

#####

#####_#####

#####“#####”

#####“#####”

“#####”#####

“#####”#####

#####“#####”

###VIP#####”

#####

#####“#####
#####”

#####“#”#####VIP#####
#####

VIP #####

#####

#####“#####”
#####”

#####“#####”
#####”

##“#####”
#####”

#####“#####”
#####”

#####“#####”
#####”

#VIP#####
#####

#####

#####“#####
#####”#####

##

“#####”#####“#####”

#####”

“###”#####

#####

#####“#####”#####
#####“#####”#####
#####”

#####

#####“#####”#####“#####”

##”

#####

#####

“#####”#####
#####“#####”
#####”

#####

#####“#####

#”

#

#####VIP#####

#####

#####

“#####”#####
##“#####”

##

#####“#####”#####

##”

#####“#####
#####”

#####“#####

#####”

#####“#####”
#####“#####
#####”

#####

#####“#####”
#####“#####”

#####VIP#####
#####

#####“#####”#####
#####“#####”

#####

#####“#####”#####“#####

#####”

#####

“#####”#####

#####

#####

#####

#####

#####

#####

#####“#####

#####

#####”

#####“#####

#####”

#####“#####

#####”

#####

#####

#####

#####

#####”#####“#####

#####”

#####“#####

#####”

#####“#####”

#####

#####

#####

#####VIP#####

#####“#####”

#####—#####

#####“##.....##”#####
#####“#####”
#####”#####
#####“#####”

#####“#####”

#####“#####”

#####“#####”
#####

#####”

#####“#
#####”#####
#####

#####“#####
#####”

#####“#####”

#####“#####
#####”

#####“#####
#####”

#####“#####
#####”

#####“#####
#####”

#

##VIP#####

#####

#####“#####”#####“#####

#####”#####
#####

#####“#####”
#####”
#####“#####”
#####”
#####“#####”#####

#####“#####”
#####”
#####“#####”#####
#####“#####”#####

#####“#####”#####“#####”
#####”
#####“#####”#####“#####”
#####“#####”
CEO#####
#####“#####”#####
#####”
#####“#####”
#####“#####”

#####”

#####

#####“#####”
#####”

#####“#####”

#####

#####

#

#####

“#####”#####
#####

#####

“#####.....#####”#####

#####“#####”#####

#####

#####“#####”

##”

#####“#####.....#####

#####”

#####“#####”

#####”

#####“#####”

#####“#####”

#####

#####

#####

#####

#####“#####

#####”

#####“#####”

#####”

#####“#####”

#####”

#####“#####”

#####”

#####“#####.....#####”

#####”

#####“#####
#####”

#####“#####”
#####“#####
#####”

#####

“#####” #####“#####
#####”

#####“#####”
#####“#####
#####”

#####“#####
#####”

#####“#####
#####”

#####“#####

#####”

#####“#####
#####”

#

#####

“#####”#####“#####

#####”

“#####”#####“#####
#####”

#####“#####

#####”

#####

#####

#####“#####”#####
“#####”#####

“#####”#####

#####“#####
#####”

#####“#####
#####”

#####

##

“#####‘#####’##”#####

#####

#####

“#####

#####”#####

“#####”#####“#####

#####”

“#####”#####

“#####”#####

#####“#####

#####”

#####“#####

#####.....”

#####

“#####.....”#####

“#####”#####“#####

#####”

#####“#####
#####”

#

“##” #####
#####

#####“#####
#####” #####
#####

“#” #####
#####“#####
#####”

#####“#####

#####” #####
#####

#####“##

#####”
#####“###” #####
#####“#####”#####
#####”

#####“#” #####

#####“#####”#####
#####“#####”#####

#####“#####”#####

#####CEO#####

#####“#####”
#####”#####

#####

#####“#####
#.....”#####

#####

“#####”#####“#####.....#
#####”

#####“#####
#####”

#####“#####.....#####”

#####“#####”
#####“#####”

#####

#####

“###”#####

#####“#####
#####”#####

#####

#####“#####
#####”

#####“#.....#####.....###
#.....”#####
#####“#####
#####”#####
#####“#####
#####”#####“#####
#####”
#####“#####”
#####“#####”

#####“#####
##.....#####.....”#####

“#####.....”#####
#####“#####.....”

#####

“#####”#####

#####“####...”#####
##

#####“#####”#####
#####

#####“#####.....#####.....”###
#####“##.....#####”

#####“#####.....#####.....”##
#####

“#####.....#####.....”####
#####

#####“#####.....#####.....#
#####.....”

#####“#####.....#####
#####.....”

#####“#####.....#####
###.....”

“###.....#####.....”#####“#####
#####.....”

“#####.....”#####“#####
##.....#####.....”

“#####.....#####.....”#####

#####“#####.....##
#####”

“###.....#####.....”#####“#####
###.....”

“#####.....”#####“#####
#####.....”

“#####.....#####.....”#####
#####

“#####.....”#####“#####
#####.....”

#####“#####
##.....#####.....”

“#####.....”#####“#####
#####”

“#####.....”#####“#####

#.....”

“#####.....”#####“#####”

“##.....#####.....”#####

“#####.....”#####

#####

#####

#####

#

#####

#####

###

#####

#####

“##.....”#####“#####

#####”

#####

#####“#####

#####”

#####

“#####”#####“#####

#####”

#####“#####

#####”

#####“#####

#####”

“##.....”#####“#####.....”

Конец ознакомительного фрагмента.

Текст предоставлен ООО «Литрес».

Прочитайте эту книгу целиком, [купив полную легальную версию](#) на Литрес.

Безопасно оплатить книгу можно банковской картой Visa, MasterCard, Maestro, со счета мобильного телефона, с платежного терминала, в салоне МТС или Связной, через PayPal, WebMoney, Яндекс.Деньги, QIWI Кошелек, бонусными картами или другим удобным Вам способом.